



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

दैनिक जागरण

24-2-26

3

4-6

साइंस कान्क्लेव बना नवाचार का सशक्त मंच

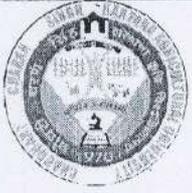
जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के आडिटोरियम में दो दिवसीय साइंस कान्क्लेव का आयोजन हरियाणा स्टेट काउंसिल फार साइंस इनोवेशन एंड टेक्नोलाजी के सहयोग से किया जा रहा है। एग्री साइंस, इनोवेशन फार सस्टेनेबल फ्यूचर विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज कंबोज मुख्य अतिथि जबकि स्वदेशी जागरण मंच के नेशनल को-कन्वீनर सतीश कुमार मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे। वहीं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग एवं यूजीसी के एमेरिटस फेलो डा. ओमप्रकाश अरोड़ा विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। कुलपति प्रो. कंबोज ने कहा कि यह कान्क्लेव विद्यार्थियों के लिए केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि ज्ञान वृद्धि और नवाचार की



प्रदर्शनी का अवलोकन करते कुलपति प्रो. बलदेव राज कंबोज एवं अन्य।

दिशा में एक सशक्त मंच है। विज्ञान किसी भी राष्ट्र की प्रगति की आधारशिला है। किसान सटीक खेती, ड्रिप इरिगेशन, जैव तकनीक और एआइ संचालित ड्रोन जैसी तकनीक अपनाकर खेती की पैदावार में बढ़ोतरी कर सकते हैं। विद्यार्थियों ने आधुनिक तकनीक पर आधारित माडल बनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। मुख्य

वक्ता सतीश कुमार ने कहा कि विश्व में सबसे अधिक कृषि योग्य भूमि भारत में है। कृषि को लाभकारी व्यवसाय एवं किसानों की आय में बढ़ोतरी करने के लिए इसे साइंस एंड टेक्नोलाजी से जोड़ना होगा। इस अवसर पर डा. ओमप्रकाश अरोड़ा, डा. रमेश यादव, डा. रजनीकांत, डा. कनिका मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	24-2-26	2	1-4

भारत को आर्थिक महाशक्ति बनने के लिए कृषि अनुसंधान बढ़ाना होगा : सतीश

एचएयू के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में साइंस कॉन्क्लेव

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय सह-संयोजक सतीश कुमार ने कहा कि यदि भारत को 2040 तक विश्व की नंबर-वन आर्थिक महाशक्ति बनना है तो कृषि विज्ञान के क्षेत्र में शोध और विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी।

उन्होंने कहा कि हमारे एक राज्य से भी छोटा इस्राइल हर साल 1200 करोड़ रुपये के फूल निर्यात करता है, जबकि विश्व की सबसे अधिक कृषि भूमि होने के बावजूद भारत 700 करोड़ का निर्यात भी नहीं कर पा रहा। वह एचएयू के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में आयोजित दो दिवसीय साइंस कॉन्क्लेव में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

हरियाणा स्टेट कार्डिसिल फॉर साइंस, इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि स्पेस टेक्नोलॉजी और फार्मास्युटिकल क्षेत्र में भारत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, लेकिन कृषि में अभी काफी काम करने की जरूरत है। कृषि वैज्ञानिक यदि नए शोध कर खेती को लाभकारी बनाएं तो यही सच्ची देशभक्ति होगी।

उन्होंने बताया कि अमेरिका अपनी जीडीपी का 4.2 प्रतिशत हिस्सा रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर खर्च करता है, जबकि



साइंस कॉन्क्लेव में प्रदर्शनी का अवलोकन करते कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज, स्वदेशी जागरण मंच के नेशनल को-कन्वीनर सतीश, डॉ. ओमप्रकाश अरोड़ा व अन्य। स्रोत आयोजक

डॉ. अब्दुल कलाम पर आधारित स्किट प्रस्तुत की कॉन्क्लेव के दौरान अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. रमेश यादव ने सभी का स्वागत किया। साइंस फोरम के सचिव डॉ. रजनीकांत ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जबकि मंच संचालन डॉ. कनिका ने किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के जीवन पर आधारित स्किट प्रस्तुत कर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं।

विज्ञान राष्ट्र की प्रगति की आधारशिला

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए एचएयू के कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज ने कहा कि विज्ञान किसी भी राष्ट्र की प्रगति की आधारशिला है। किसान सटीक खेती, ड्रिप सिंचाई, जैव प्रौद्योगिकी और एआई संचालित ड्रोन जैसी तकनीक अपनाकर उत्पादन बढ़ा सकते हैं। उन्होंने खेती को विषमुक्त बनाने के लिए रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के सीमित उपयोग पर जोर दिया। साथ ही घटती जोत और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए वैज्ञानिकों से अधिक प्रभावी शोध करने का आह्वान किया, ताकि कम लागत में अधिक उत्पादन लेकर किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत की जा सके।

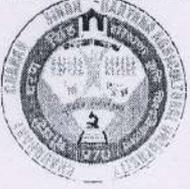


पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लेते बच्चे। संवाद

भारत में यह आंकड़ा केवल 0.6 प्रतिशत है। अमेरिका की अर्थव्यवस्था 30 ट्रिलियन डॉलर की है, जिसमें से 9.5 ट्रिलियन डॉलर बौद्धिक संपदा से आता है। अमेरिका द्वारा किए गए पेटेंटों की रॉयल्टी

उसे मिलती है और किसी भी पेटेंट के उपयोग पर संबंधित व्यक्ति या संस्था को कंपनियों लगभग 6 प्रतिशत लाभ देती हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 300 वर्षों से आर एंड डी में 99 प्रतिशत काम

अमेरिका और यूरोप ने ही किया है तथा बिजली, रेडियो, टीवी, बल्ब, मोबाइल फोन, कंप्यूटर और इंटरनेट जैसी आधुनिक युग की कई बड़ी खोजें भी वहीं से हुई हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	24-2-26	3	1-2

• एचएयू में दो दिवसीय साइंस कॉन्वलेव शुरू, प्रो. काम्बोज बोले खेती को जहर मुक्त बनाने के लिए आधुनिक तकनीक अपनाएं किसान

भास्कर न्यूज़ | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी कॉलेज के ऑडिटोरियम में दो दिवसीय साइंस कॉन्वलेव हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी के सहयोग से की जा रही है।

एग्री साइंस, इनोवेशन फॉर सस्टेनेबल फ्यूचर विषय पर आयोजित कार्यक्रम में एचएयू के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि रहे। स्वदेशी जागरण मंच के नेशनल को-कन्वीनर सतीश कुमार मुख्य वक्ता रहे। वहीं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग एवं यूजीसी के एमेरिटस फैलो डॉ. ओमप्रकाश अरोड़ा विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे।



प्रदर्शनी का अवलोकन करते कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज एवं अन्य।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि यह कॉन्वलेव विद्यार्थियों के लिए केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि ज्ञान वृद्धि और नवाचार की दिशा में एक सशक्त मंच है। विज्ञान किसी राष्ट्र की प्रगति की आधारशिला है। किसान सटीक खेती, ड्रिप इरिगेशन, जैव तकनीक

और एआई संचालित ड्रोन जैसी तकनीक अपनाकर खेती की पैदावार में बढ़ोतरी कर सकते हैं। उन्होंने खेती को जहर मुक्त बनाने के लिए सीमित मात्रा में रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के उपयोग पर बल दिया और आधुनिक तकनीक अपनाने की बात कही।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अज्ञात समाचार	24-2-26	12	1-3

साइंस कॉन्क्लेव ज्ञान वृद्धि और नवाचार का सशक्त मंच : प्रो. काम्बोज

हिसार, 23 फरवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह अवलोकन करते हुए कहा कि विद्यार्थियों ने आधुनिक हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में दो दिवसीय साइंस कॉन्क्लेव का आयोजन हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी के सहयोग से किया जा रहा है। एग्री साइंस, इनोवेशन फॉर सस्टेनेबल फ्यूचर विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि जबकि स्वदेशी जागरण मंच के नेशनल को-कन्वीनर सतीश कुमार मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे। वहीं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग एवं यूजीसी के एमेरिटस फैलो डॉ ओमप्रकाश अरोड़ा विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि यह कॉन्क्लेव विद्यार्थियों के लिए केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि ज्ञान वृद्धि और नवाचार की दिशा में एक सशक्त मंच है। उन्होंने साइंस कॉन्क्लेव के दौरान लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि विद्यार्थियों ने आधुनिक तकनीक पर आधारित मॉडल बनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। मुख्य वक्ता सतीश कुमार ने कहा कि विश्व में सबसे अधिक कृषि योग्य भूमि भारत में है। विशिष्ट अतिथि डॉ ओमप्रकाश अरोड़ा ने बताया कि इस प्रकार के आयोजनों से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास होता है जिसके माध्यम से उन्हें नवीनतम तकनीक, शोध पद्धतियों और वैश्विक रुझानों की जानकारी मिलती है। स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. रमेश यादव ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया। साइंस फोरम के सचिव डॉ रजनीकांत ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया जबकि मंच का संचालन डॉ. कनिका ने किया। विद्यार्थियों ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के जीवन पर आधारित स्किट दिखाकर दर्शकों से खूब तालियां बटोरीं। इस अवसर पर कुलसचिव सहित विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।



**हृदय में साइंस
कॉन्क्लेव का शुभारम्भ**



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरिभूमि	24-2-26	11	1-3

हकृवि में दो दिवसीय साइंस कॉन्क्लेव का शुभारंभ साइंस कॉन्क्लेव ज्ञान वृद्धि और नवाचार का सशक्त माध्यम

विद्यार्थी अपने
कौशल को निखार
कर समाज एवं राष्ट्र
निर्माण में योगदान
दे सकते हैं

हरिभूमि न्यूज हिंसार



हिसार। प्रदर्शनी का अवलोकन करते कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज एवं अन्य।

फोटो : हरिभूमि

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में दो दिवसीय साइंस कॉन्क्लेव का आयोजन हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी के सहयोग से किया जा रहा है। एग्री साइंस, इनोवेशन फॉर सर्स्टेनेबल फ्यूचर विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि जबकि स्वदेशी जागरण मंच के नेशनल को-कन्वीनर सतीश कुमार मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित

रहे। वहीं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग एवं यूजीसी के एमेरिटस फैलो डॉ ओमप्रकाश अरोड़ा विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि यह कॉन्क्लेव विद्यार्थियों के लिए केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि ज्ञान वृद्धि और नवाचार की दिशा में एक सशक्त मंच है। इसमें सक्रिय भागीदारी से विद्यार्थी अपने कौशल को निखार कर समाज एवं राष्ट्र के नव-निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा

कृषि को लाभकारी बनाने के लिए साइंस एंड टेक्नोलॉजी से जोड़ना होगा : सतीश कुमार

मुख्य वक्ता सतीश कुमार ने कहा कि विश्व में सबसे अधिक कृषि योग्य भूमि भारत में है। कृषि को लाभकारी व्यवसाय एवं किसानों की आय में बढ़ोतरी करने के लिए इसे साइंस एंड टेक्नोलॉजी से जोड़ना होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में तार्किक सोच, समस्या समाधान क्षमता और समाजोन्मुखी दृष्टिकोण विकसित करते हैं। स्वातंत्र्य शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. रमेश यादव ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया। साइंस फोरम के सचिव डॉ. राजनीकांत ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया जबकि मंच का संचालन डॉ. कनिष्का ने किया।

कि विज्ञान किसी भी राष्ट्र की प्रगति की आधारशिला है। उन्होंने साइंस कॉन्क्लेव के दौरान लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए

कहा कि विद्यार्थियों ने आधुनिक तकनीक पर आधारित मॉडल बनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दिनांक 24-2-26	24-2-26	9	7-8

साइंस कॉन्क्लेव ज्ञान वृद्धि और नवाचार का मंच : काम्बोज हकूवि में दो दिवसीय समारोह

हिसार, 23 फरवरी (हप)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में दो दिवसीय साइंस कॉन्क्लेव का आयोजन हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी के सहयोग से किया जा रहा है। एग्री साइंस, इनोवेशन फॉर सस्टेनेबल फ्यूचर विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि जबकि स्वदेशी जागरण मंच के नेशनल को-कन्वीनर सतीश कुमार मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे। वहीं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग एवं यूजीसी के एमेरिटस फेलो डॉ. ओमप्रकाश अरोड़ा विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि यह कॉन्क्लेव

विद्यार्थियों के लिए केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि ज्ञान वृद्धि और नवाचार की दिशा में एक सशक्त मंच है। इसमें सक्रिय भागीदारी से विद्यार्थी अपने कौशल को निखार कर समाज एवं राष्ट्र के नव-निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि विज्ञान किसी भी राष्ट्र की प्रगति की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि किसान सटीक खेती, ड्रिप इरिगेशन, जैव तकनीक और एआई संचालित ड्रोन जैसी तकनीक अपनाकर खेती की पैदावार में बढ़ोतरी कर सकते हैं। मुख्य वक्ता सतीश कुमार ने कहा कि विश्व में सबसे अधिक कृषि योग्य भूमि भारत में है। विशिष्ट अतिथि डॉ. ओमप्रकाश अरोड़ा ने बताया कि इस प्रकार के आयोजनों से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास होता है जिसके माध्यम से उन्हें नवीनतम तकनीक, शोध पद्धतियों और वैश्विक रुझानों की जानकारी मिलती है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दक्ष दर्पण न्यूज	23.02.2026	--	--

साइंस कॉन्क्लेव ज्ञान वृद्धि और नवाचार का सशक्त मंच: प्रो. बलदेव राज काम्बोज

» हफ्ति में दो दिवसीय साइंस कॉन्क्लेव का शुभारंभ टव दर्पण

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में दो दिवसीय साइंस कॉन्क्लेव का आयोजन हरियाणा स्टेट कार्डिनल फॉर साइंस इन्वैशन एंड टेक्नोलॉजी के सहयोग से किया जा रहा है। एग्री साइंस, इन्वैशन फॉर सस्टेनेबल फूडर विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि जबकि स्वदेशी जामना मंच के नेतृत्व को-कन्वोनर सतीश कुमार मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे। वहीं कुम्भोज विश्वविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग एवं यूजीसी के एग्रीकल्चर फैसले डॉ. ओमप्रकाश ओझा विशिष्ट



अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि यह कॉन्क्लेव विद्यार्थियों के लिए केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि ज्ञान वृद्धि और नवाचार की दिशा में एक सशक्त मंच है। इसमें सक्रिय भागीदारी से विद्यार्थी अपने कौशल को निखार कर समाज एवं राष्ट्र के नव-निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि विज्ञान किसी भी राष्ट्र की प्रगति की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि किसान सटीक खेती, ट्रिप इरिगेशन, जैव तकनीक और एआई संचालित ड्रोन जैसी तकनीक अपनकर खेती

की पैदावार में बढ़ोतरी कर सकते हैं। उन्होंने खेती को जहर मुक्त बनाने के लिए सोलियम मात्रा में रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के उपयोग पर कल दिया। घटती जा रही जल एवं खेती के सम्पन्न जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए वैज्ञानिकों को और अधिक बेहतर ढंग से कार्य करने की आवश्यकता है ताकि कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करके किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया जा सके। उन्होंने साइंस कॉन्क्लेव के दौरान लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि विद्यार्थियों ने अधुनिक

तकनीक पर आधारित मॉडल बनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। मुख्य वक्ता सतीश कुमार ने कहा कि विश्व में सबसे अधिक कृषि योग्य भूमि भारत में है। कृषि को लाभकारी व्यवसाय एवं किसानों की आय में बढ़ोतरी करने के लिए इसे साइंस एंड टेक्नोलॉजी से जोड़ना होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में तकनीक सोच, समस्या समाधान क्षमता और समाजोन्मुखी दृष्टिकोण विकसित करते हैं। इसके साथ-साथ युवा प्रतिभाओं को अपने विचार साझा करने तथा विरोधों से मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर भी

मिलता है। इस प्रकार के आयोजन वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के साथ-साथ विद्यार्थियों को शोध एवं उद्यमिता की दिशा में प्रेरित करते हैं। विशिष्ट अतिथि डॉ. ओमप्रकाश ओझा ने बताया कि इस प्रकार के आयोजनों से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास होता है जिसके माध्यम से उन्हें नवीनतम तकनीक, शोध पद्धतियों और वैश्विक सड़ानों की जानकारी मिलती है। उन्होंने कहा कि हमारे देश के विद्यार्थियों में प्रतिभा की कमी नहीं है, इसलिए भारत को विश्व गुज बनने से

कोई नहीं रोक सकता। स्नातकोत्तर शिक्षा अधिकांश डॉ. रमेश यादव ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया। साइंस फोरम के सचिव डॉ. रजनीकान्त ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया जबकि मंच का संचालन डॉ. कमिका ने किया। विद्यार्थियों ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के जीवन पर आधारित स्किट दिखाकर दर्शकों से खूब तालियां बटोरीं। इस अवसर पर कुलसचिव सहित विभिन्न महाविद्यालयों के अधिकांश, निदेशक, अधिकारी, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।



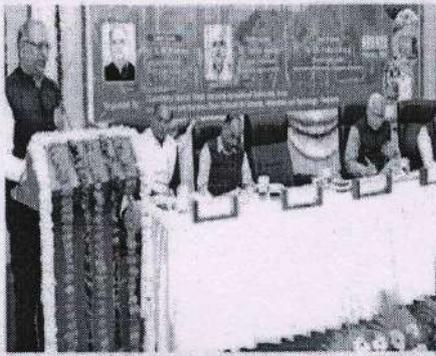
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	23.02.2026	--	--

साइंस कॉन्क्लेव ज्ञान वृद्धि व नवाचार का मंच: प्रो. काम्बोज

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय साइंस कॉन्क्लेव का शुभारंभ

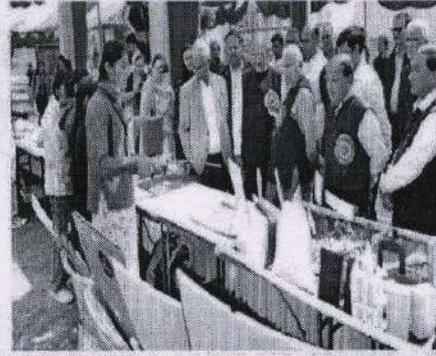
सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में दो दिवसीय साइंस कॉन्क्लेव का आयोजन हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी के सहयोग से किया जा रहा है। एग्री साइंस, इनोवेशन फॉर सस्टेनेबल फ्यूचर विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि जबकि स्वदेशी जागरण मंच के नेशनल को-कन्वीनर सतीश कुमार मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे। वहीं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग एवं यूजीसी के एमेरिटस फेलो डॉ. ओमप्रकाश अरोड़ा विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि यह कॉन्क्लेव विद्यार्थियों के लिए



कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज कार्यक्रम को संबोधित करते हुए।

केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि ज्ञान वृद्धि और नवाचार की दिशा में एक सशक्त मंच है। इसमें सक्रिय भागीदारी से विद्यार्थी अपने कौशल को निखार कर समाज एवं राष्ट्र के नव-निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि विज्ञान किसी भी राष्ट्र की प्रगति की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि

किसान सटीक खेती, डिप इरिगेशन, जैव तकनीक और एआई संचालित ड्रोन जैसी तकनीक अपनाकर खेती की पैदावार में बढ़ोतरी कर सकते हैं। उन्होंने खेती को जहर मुक्त बनाने के लिए सीमित मात्रा में रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के उपयोग पर बल दिया। भटती जा रही जोत एवं खेती के समय जलवायु परिवर्तन



भटती का अवलोकन करते कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज एवं अन्य।

जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए वैज्ञानिकों को और अधिक बेहतर ढंग से कार्य करने की आवश्यकता है ताकि कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करके किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया जा सके। उन्होंने साइंस कॉन्क्लेव के दौरान लगाई गई प्रदर्शनों का अवलोकन करते हुए कहा कि विद्यार्थियों ने

आधुनिक तकनीक पर आधारित मॉडल बनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। मुख्य वक्ता सतीश कुमार ने कहा कि विश्व में सबसे अधिक कृषि योग्य भूमि भारत में है। कृषि को लाभकारी व्यवसाय एवं किसानों की आय में बढ़ोतरी करने के लिए इसे साइंस एंड टेक्नोलॉजी से जोड़ना

होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में तार्किक सोच, समस्या समाधान क्षमता और समाजोन्मुखी दृष्टिकोण विकसित करते हैं। इसके साथ-साथ युवा प्रतिभाओं को अपने विचार साझा करने तथा विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर भी मिलता है। इस प्रकार के आयोजन वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के साथ-साथ विद्यार्थियों को शोध एवं उद्यमिता की दिशा में प्रेरित करते हैं। विशिष्ट अतिथि डॉ. ओमप्रकाश अरोड़ा ने बताया कि इस प्रकार के आयोजनों से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास होता है जिसके माध्यम से उन्हें नवीनतम तकनीक, शोध पद्धतियों और वैश्विक रुझानों की जानकारी मिलती है। उन्होंने कहा कि हमारे देश के विद्यार्थियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, इसलिए भारत को विश्व गुरु बनाने से कोई नहीं रोक सकता।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दिनांक 24-2-26	24-2-26	7	1-4

हकृवि में अंतर्राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन,

हिसार, 23 फरवरी (हम)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) 25 से 27 फरवरी 2026 तक "डेसीफरिंग दी पोर्टेशियल ऑफ क्लाइमेट रेजिलिएंट फंक्शनल क्रॉप फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड एग्रो-इंडस्ट्रीज (डीपीसीएफसी-एसएआई-2026)" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। यह कार्यक्रम शिक्षा मंत्रालय की 'स्पाक' योजना के तहत न्यूजीलैंड की मैसी यूनिवर्सिटी के सहयोग से हाइब्रिड मोड में आयोजित किया जाएगा।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि सम्मेलन में देश-विदेश के वैज्ञानिक, शोधार्थी, शिक्षाविद, उद्योग विशेषज्ञ और नीति-निर्माता ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से भाग लेंगे। सम्मेलन का

उद्देश्य जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच कार्यात्मक फसलों पर शोध, नवाचार और तकनीकी प्रगति पर विचार-विमर्श करना तथा सतत कृषि उत्पादन और एग्रो-इंडस्ट्री विकास के लिए ठोस रणनीतियां तैयार करना है।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि हकृवि ने कृषि, एग्री-बिजनेस, कृषि अभियांत्रिकी, मत्स्य विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी में उल्लेखनीय प्रगति की है और वर्ष 2025 में जल संरक्षण के क्षेत्र में भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। सम्मेलन में मोरिंगा की ग्रोथ, बीज की गुणवत्ता और पर्यावरणीय प्रभाव पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

हरि भूमि

दिनांक

24.2.26

पृष्ठ संख्या

12

कॉलम

3-5

स्पार्क योजना के अंतर्गत एचएयू में 25 से होगा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

मैसी यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड के सहयोग से होगा आयोजन, देश-विदेश के वैज्ञानिक, शोधार्थी, शिक्षाविद, उद्योग विशेषज्ञ और नीति-निर्माता ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से भाग लेंगे हिस्सा

हरिभूमि न्यूज >> हिंसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 'डेसीफरिंग दी पोर्टेशियल ऑफ क्लाइमेट रेजिलिएंट फंक्शनल क्रॉप फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड एग्रो-इंडस्ट्रीज (डीपीसीएफसी-एसएएआई-2026)' विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। यह सम्मेलन शिक्षा मंत्रालय की 'स्पार्क' योजना के अंतर्गत मैसी यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि यह तीन दिवसीय सम्मेलन 25 से 27 फरवरी तक हाइब्रिड मोड में आयोजित होगा। इससे देश-विदेश के वैज्ञानिक,

शोधार्थी, शिक्षाविद, उद्योग विशेषज्ञ और नीति-निर्माता ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से भाग ले सकेंगे। सम्मेलन का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच कार्यात्मक फसलों पर हो रहे नवीनतम शोध, नवाचार और तकनीकी प्रगति पर विचार-विमर्श करना तथा सतत कृषि उत्पादन और एग्रो-इंडस्ट्री विकास के लिए ठोस रणनीतियां विकसित करना है।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि सम्मेलन के अंतर्गत मोरिंगा की प्रोथ, बीज की क्वालिटी, एंटीऑक्सीडेंट और टैनिन प्रॉपर्टीज पर पर्यावरण के असर को समझना परियोजना पर विशेष फोकस रहेगा। सम्मेलन में प्रस्तुत शोध पत्रों और विचार-मंथन के माध्यम से जलवायु-स्मार्ट कृषि को बढ़ावा देने, बहु-संस्थागत सहयोग मजबूत करने तथा कृषि-आधारित उद्योगों के सतत विकास के नए आयाम स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा। सम्मेलन में देश-विदेश के शोधकर्ताओं, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं हितधारकों की सक्रिय भागीदारी रहेगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उमर उजाला	24-2-26	4	1-3

एचएयू में जलवायु-स्मार्ट फसलों पर होगा मंथन

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 25 से 27 फरवरी तक डिसाइफरिंग द पोर्टेशियल ऑफ क्लाइमेट रेजिलिएंट फंक्शनल क्रॉस फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड एग्रो-इंडस्ट्रीज विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन होगा। यह आयोजन मैसो यूनिवर्सिटी के सहयोग से हाइब्रिड मोड में किया जाएगा, जिसमें देश-विदेश के वैज्ञानिक, शोधार्थी, शिक्षाविद, उद्योग विशेषज्ञ और नीति-निर्माता ऑनलाइन व ऑफलाइन भाग लेंगे।

कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज ने बताया कि

25 से 27 फरवरी तक आयोजित
होगा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

सम्मेलन का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच कार्यात्मक फसलों पर हो रहे नवीनतम शोध, नवाचार और तकनीकी प्रगति पर विचार-विमर्श करना तथा सतत कृषि उत्पादन और एग्रो-इंडस्ट्री विकास के लिए ठोस रणनीतियां तैयार करना है।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने कहा कि विश्वविद्यालय कृषि, एग्री-बिजनेस, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी, सामुदायिक विज्ञान, मत्स्य विज्ञान, जैव

प्रौद्योगिकी तथा मौलिक विज्ञान में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर चुका है। वर्ष 2025 में जल संरक्षण क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए विश्वविद्यालय को भारत की राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित भी किया गया था।

सम्मेलन में मोरिंगा की वृद्धि, बीज गुणवत्ता, एंटीऑक्सीडेंट और टैनिन गुणों पर पर्यावरणीय प्रभाव से जुड़े शोध पर विशेष फोकस रहेगा। शोधपत्र प्रस्तुतियों और विशेषज्ञ चर्चाओं के जरिए जलवायु-स्मार्ट कृषि को बढ़ावा देने और कृषि आधारित उद्योगों के सतत विकास के नए आयाम स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	24-2-26	12	4-5

हकृति में स्पार्क योजना के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कल से

हिसार, 23 फरवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा डेसीफरिंग दी पोटेणियल ऑफ क्लाइमेट रेजिलिएंट फंक्शनल क्रॉप फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड एग्रो-इंडस्ट्रीज (डीपीसीएफसी-एसएआई-2026) विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह सम्मेलन शिक्षा मंत्रालय की 'स्पार्क' योजना के अंतर्गत मैसी यूनिवर्सिटी, न्यूज़ीलैंड के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि तीन दिवसीय सम्मेलन 25 से 27 फरवरी, 2026 तक हाइब्रिड मोड में आयोजित होगा, जिससे देश-विदेश के वैज्ञानिक, शोधार्थी, शिक्षाविद्, उद्योग विशेषज्ञ और नीति-निर्माता ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से भाग ले सकेंगे। सम्मेलन का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच कार्यात्मक फसलों पर हो रहे नवीनतम शोध, नवाचार और तकनीकी प्रगति पर विचार-विमर्श करना तथा सतत कृषि उत्पादन और एग्रो-इंडस्ट्री विकास के लिए ठोस रणनीतियाँ विकसित करना है। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेह ने बताया कि हकृति देश के अग्रणी कृषि विश्वविद्यालयों में से एक है, जिसने कृषि, एग्री-बिजनेस, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी, सामुदायिक विज्ञान, मत्स्य विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी तथा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	24-2-26	2	4

**मैसी यूनिवर्सिटी के
सहयोग से अंतरराष्ट्रीय
सम्मेलन का आयोजन**

जासं • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने डेसीफरिंग दी पोर्टेशियल आफ क्लाइमेट रेजिलिएंट फंक्शनल क्राप फार सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड एग्रो-इंडस्ट्रीज (डीपीसीएफसी-एसएएआई-2026) विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह सम्मेलन शिक्षा मंत्रालय की स्पार्क योजना के अंतर्गत न्यूजीलैंड की मैसी यूनिवर्सिटी के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज कंबोज ने बताया कि तीन दिवसीय सम्मेलन 25 से 27 फरवरी तक हाइब्रिड मोड में आयोजित होगा, जिससे देश-विदेश के वैज्ञानिक, शोधार्थी, शिक्षाविद, उद्योग विशेषज्ञ और नीति-निर्माता आनलाइन एवं आफलाइन दोनों माध्यमों से भाग ले सकेंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब क्रिसी	24.2.26	4	7-8

हकूति में स्पार्क योजना के अंतर्गत सम्मेलन कल

हिसार, 23 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा डेसीफरिंग दी पोटेंशियल ऑफ क्लाइमेट रेजिलिएंट फंक्शनल क्रॉप फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड एग्रो-इंडस्ट्रीज विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह सम्मेलन शिक्षा मंत्रालय की 'स्पार्क' योजना के अंतर्गत मैसी यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि तीन दिवसीय सम्मेलन 25 से 27 फरवरी तक होगा। सम्मेलन का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच कार्यात्मक फसलों पर हो रहे नवीनतम शोध, नवाचार और तकनीकी प्रगति पर विचार-विमर्श करना है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दक्ष दर्पण न्यूज	23.02.2026	--	--

हकृवि में स्पार्क योजना के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 25 फरवरी से

» मैसी यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड के सहयोग से किया जा रहा है अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

दक्ष दर्पण

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा डेस्टीफरिंग दी पोटेशियल ऑफ क्लाइमेट रेजिलिएंट फंक्शनल क्रॉप फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड एग्रो-इंडस्ट्रीज (डीपीसीएफसी-एसएआई-2026) विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह सम्मेलन शिक्षा मंत्रालय की 'स्पार्क' योजना के अंतर्गत मैसी यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। यह जानकारी देते



हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि तीन दिवसीय सम्मेलन 25 से 27 फरवरी, 2026 तक हाइब्रिड मोड में आयोजित होगा, जिससे देश-विदेश के वैज्ञानिक, शोधार्थी, शिक्षाविद्, उद्योग विशेषज्ञ और नीति-निर्माता ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से भाग ले सकेंगे। सम्मेलन का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच कार्यात्मक फसलों पर हो रहे नवीनतम शोध, नवाचार

और तकनीकी प्रगति पर विचार-विमर्श करना तथा सतत कृषि उत्पादन और एग्रो-इंडस्ट्री विकास के लिए ठोस रणनीतियाँ विकसित करना है। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि हकृवि देश के अग्रणी कृषि विश्वविद्यालयों में से एक है, जिसने कृषि, एग्री-बिजनेस, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी, सामुदायिक विज्ञान, मत्स्य विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी तथा मौलिक विज्ञान

एवं मानविकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। विश्वविद्यालय को वर्ष 2025 में जल संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए भारत की राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित भी किया जा चुका है। इस सम्मेलन के अंतर्गत मारिगा की ग्रोथ, बीज की क्वालिटी, एंटीऑक्सीडेंट और टैनिन प्रॉपर्टीज पर पर्यावरण के असर को समझना परियोजना पर विशेष फोकस रहेगा। सम्मेलन में प्रस्तुत शोध पत्रों और विचार-मंथन के माध्यम से जलवायु-स्मार्ट कृषि को बढ़ावा देने, बहु-संस्थागत सहयोग मजबूत करने तथा कृषि-आधारित उद्योगों के सतत विकास के नए आयाम स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा। सम्मेलन में देश-विदेश के शोधकर्ताओं, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं हितधारकों की सक्रिय भागीदारी रहेगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	24.02.2026	--	--

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 25 फरवरी से अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 24 फरवरी :

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) द्वारा 'डिसाइफरिंग द पोर्टेशियल ऑफ क्लाइमेट रेजिलिएंट फंक्शनल क्रॉप्स फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड एग्रो-इंडस्ट्रीज (डीपीसी एफसी-एसएआई-2026)' विषय पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 25 से 27 फरवरी 2026 तक किया जाएगा। यह सम्मेलन शिक्षा मंत्रालय की 'स्पार्क' योजना के अंतर्गत Massey University, न्यूजीलैंड के सहयोग से हाइब्रिड मोड में आयोजित होगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि सम्मेलन में देश-विदेश के वैज्ञानिक, शोधार्थी, शिक्षाविद्, उद्योग विशेषज्ञ एवं नीति-निर्माता ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से भाग लेंगे। इसका

उद्देश्य जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच कार्यात्मक फसलों पर नवीनतम शोध, नवाचार और तकनीकी प्रगति पर विचार-विमर्श कर सतत कृषि और एग्रो-इंडस्ट्री विकास के लिए ठोस रणनीतियाँ तैयार करना है। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि विश्वविद्यालय कृषि, एग्री-बिजनेस, कृषि अभियांत्रिकी, जैव प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। सम्मेलन में मौरिंगा की वृद्धि, बीज गुणवत्ता, एंटीऑक्सीडेंट एवं टैनिन गुणों पर पर्यावरणीय प्रभाव जैसे विषयों पर विशेष फोकस रहेगा। सम्मेलन के माध्यम से जलवायु-स्मार्ट कृषि को बढ़ावा देने, बहु-संस्थागत सहयोग मजबूत करने तथा कृषि-आधारित उद्योगों के सतत विकास के नए आयाम स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	23.02.2026	--	--

हकृवि में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 25 से

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा डेसीफरिंग दी पोटेंशियल ऑफ क्लाइमेट रेजिलिएंट फंक्शनल क्रॉप फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड एग्रो-इंडस्ट्रीज (डीपीसीएफसी-एसएआई-2026) विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह सम्मेलन शिक्षा मंत्रालय की 'स्पार्क' योजना के अंतर्गत मैसी यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि तीन दिवसीय सम्मेलन 25 से 27 फरवरी, 2026 तक हाइब्रिड मोड में आयोजित होगा, जिससे देश-विदेश के वैज्ञानिक, शोधार्थी, शिक्षाविद्, उद्योग विशेषज्ञ और नीति-निर्माता ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से भाग ले सकेंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	23.02.2026	--	--

हकृवि में स्पार्क योजना के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 25 फरवरी से

हिसार (समस्त हरियाणा न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा डेसीफरिंग दी पोटेंशियल ऑफ क्लाइमेट रेजिलिएंट फंक्शनल क्रॉप फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड एग्रो-इंडस्ट्रीज विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह सम्मेलन शिक्षा मंत्रालय की स्पार्क योजना के अंतर्गत मैसी यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि तीन दिवसीय सम्मेलन 25 से 27 फरवरी, 2026 तक हाइब्रिड मोड में आयोजित होगा। ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से भाग ले सकेंगे। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि हकृवि देश के अग्रणी कृषि विश्वविद्यालयों में से एक है। सम्मेलन में प्रस्तुत शोध पत्रों और विचार-मंथन के माध्यम से जलवायु-स्मार्ट कृषि को बढ़ावा देने, बहु-संस्थागत सहयोग मजबूत करने तथा कृषि-आधारित उद्योगों के सतत विकास के नए आयाम स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा।